दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 दीदिया के देवरा... | 5 दिल्ली से जयपुर का सफर सिर्फ 30 मिनट में! | 8 पाकिस्तान क्रिकेट का सत्यानाश हो जाएगा...

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 36 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 03 मार्च, 2025

सफाईकर्मियों के लिए योगी का बड़ा एलान

बोनस और 5 लाख तक का फ्री इलाज महाकुंभ के सफाईकर्मियों को तोहफा

10 हजार का बोनस... 16000 माह न्यूनतम वेतन और मुफ्त इलाज की घोषणा

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता कर्मियों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि पहले आठ से 11 हजार रुपये माह मिलते थे। अब इसे अप्रैल से बढ़ाकर कम से कम 16 हजार किया जाएगा।

महाकुंभ के समापन के बाद प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की है। महाकुंभ में लगे यूपी के सफाई कर्मचारियों को 10 हजार का अतिरिक्त बोनस मिलेगा। इसके अलावा न्यूनतम 16000 प्रति माह वेतन की घोषणा की है।

इसके अलावा महाकुंभ में कार्यरत सभी कर्मियों को पांच लाख तक मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। अप्रैल निगम गठित होगा। अप्रैल से कर्मचारियों के खाते में रुपये भी भेजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों को पहले आठ से 11 हजार रुपये माह मिलते थे। अब इसे अप्रैल से बढ़ाकर कम से कम 16 हजार किया जाएगा। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को आयुष्मान योजना से जोड़कर जन आरोग्य बीमा का भी लाभ दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमारी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में सफाई और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने का फैसला किया है। हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को 16,000 रुपये का न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाएगा... अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे बेहतर कल्याण और सहायता सुनिश्चित होगी।

संभल में अब तक हुए सभी दंगों की रिपोर्ट हो रही तैयार, 1978-1986 और 1992 पर विशेष फोकस

संभल। संभल पुलिस 1978, 1986 और 1992 में हुए दंगों की जांच कर रही है। न्यायिक जांच आयोग के समक्ष पीड़ितों की गुहार के बाद इससे जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। संभल पुलिस शहर में 1978, 1986 और 1992 में हुए दंगों की जांच पड़ताल करने में जुटी है। जल्द ही रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजा जाएगी। एसपी का कहना है कि शासन स्तर से जो भी निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ेगी। उसके आधार पर ही उन तीनों दंगों की रिपोर्ट तैयार हो रही है। बताया कि मुकदमों की स्थिति को भी देखा जाएगा। 23 जनवरी को न्यायिक जांच आयोग के सामने कुछ लोग पहुंचे थे। उन्होंने 1978, 1986 और 1992 के दंगों से पीड़ित होने की बात कही थी। साथ ही बताया था कि उन्हें इन तीनों दंगों में जान और माल का नुकसान हुआ था लेकिन न्याय नहीं मिला। इन परिवारों ने जांच कराने के लिए मांग उठाई थी। इसी मांग को मानते हुए रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। एसपी का कहना है कि दंगों में कितने लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी और उन मुकदमों में क्या स्थिति है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उसके बाद शासन को भेजी जाएगी। रिकॉर्ड मुरादाबाद में है। इसलिए समय लग रहा है।

1978 के दंगे के बाद पलायन के बाद मजबूर हुए थे हिंदू

1978 के दंगे में हिंदुओं की हत्याएं की गई थीं। कई ऐसे परिवार पुलिस–प्रशासन के सामने आए जिन्होंने बताया कि उनके परिवार में किसकी जान गई। उस समय की कुछ तस्वीरें भी दिखाई गईं। उन्होंने यह भी बताया था कि हिंदू बड़ी संख्या में मारे गए थे और पलायन के लिए मजबूर हुए थे। खग्गू सराय में प्राचीन शिव मंदिर भी उसी दंगे के बाद से बंद हो गया था। इस इलाके में जो हिंदू परिवार थे वह पलायन कर गए थे। 1978 के दंगे में 16 मुकदमें दर्ज हुए थे। जिसमें हत्या, लूट, आगजनी, बलवा और अन्य कई गंभीर आरोप शामिल थे। 1993 में दर्ज मुकदमों में से आठ मुकदमें वापस हो गए थे। बाकी आठ मुकदमों की स्थिति की जानकारी पुलिस प्रशासन को ही स्पष्ट नहीं हो सकी है।

एक नयी आशा संस्था द्वारा तुर्कमानपुर स्थित रावत पाठशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सम्पन्न

गोरखपुर। एक नयी आशा संस्था द्वारा तुर्कमानपुर स्थित रावत पाठशाला में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 65 लोगों ने रक्तदान किया, मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ समाजसेवी दुर्गेश बजाज ने संस्था के सभी लोगों को रक्तदान आयोजित करने पर बधाई दी एवं कहा कि संस्था द्वारा इस सरकारी विद्यालय में जो वृहद हाल का निर्माण कराया है वो प्रसंशनीय भी है और सभी के लिए अनुकरणीय भी है ।

इससे पूर्व अध्यक्ष अनूप बंका ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया वही पूर्व अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ सत्यानंद केडिया, डॉ मंजू केडिया, डॉ सौरभ केडिया, डॉ वाई सिंह की उपस्थिति रही वही सदर अस्पताल के रक्त कोष प्रभारी डॉ प्रशांत अस्थाना एवं डॉ जे पी सिंह अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशीष छापड़िया, सीमा छापड़िया, अनूप बंका, अरविंद अग्रवाल, रोहित रामरायका, राहुल खेतान, कनकहरि अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, शिवम बथवाल, डॉ निशी अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, अनु पोद्दार, पवन चौधरी, मनीष मिश्रा, गौरव लीलारिया, मुकुल जालान, दिनेश अग्रवाल, कविता रामरायका, श्वेता तुलस्यान, सुमन छापड़िया, संजू जालान, ऋतु मिश्रा एवं दृष्टि जालान की उपस्थिति रही।

सम्पादकीय

शेयर बाजार में गिरावट और सरकार की चुप्पी

भारत के घरेलू बाजार में एक के बाद एक घाटे की खबरें सामने आ रही हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है

भारत के घरेलू बाजार में एक के बाद एक घाटे की खबरें सामने आ रही हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आई है और इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप की घुड़कियों का असर भी उद्योग जगत पर देखा जा रहा है। हैरानी की बात ये है कि पूरे देश में घूम–घूम कर विकास का ढिंढोरा पीटने वाले प्रधानमंत्री मोदी शेयर बाजार में दिखाई दे रही अभूतपूर्व गिरावट को लेकर बिल्कुल मौन है। मानो उन्हें कोई फर्क ही नहीं पड़ता कि छोटे और मंझोले निवेशकों का पैसा डूबे या वे बर्बाद हो जाएं।

श्री मोदी के हिसाब से तो अब भी भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था भी वे देश में कायम कर ही लेंगे। हालांकि एक जरूरी सवाल तब भी बना रहेगा कि अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था देश में होती है तो इसमें गरीबों का हिस्सा कितना रहेगा और अमीरों का कब्जा कितने पर होगा। क्योंकि अभी तो आर्थिक गैर–बराबरी और बढ़ रही है। वहीं पांच किलो अनाज पर 80 करोड़ लोग अब भी जी रहे हैं। जो मध्यमवर्ग है, उसे भी राहत नहीं है, न ही भविष्य को लेकर वह निश्चिंत हो पा रहा है। पहले अपनी बचत से साधारण नौकरी या कमाई वाला व्यक्ति थोड़ा पैसा बैंक में, थोड़ा शेयर बाजार में या इसी तरह कहीं निवेश कर आड़े वक्त का इंतजाम करता था।

अब मोदी सरकार में यह भी मुमकिन नहीं हो रहा। अभी हाल में मुंबई में न्यू इंडिया को–आपरेटिव बैंक में 125 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया था, जिसके बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसके बोर्ड को भंग कर धन निकासी पर भी रोक लगा दी थी। हालांकि अब खाताधारकों को 25 हजार रुपए तक निकालने की छूट दे दी गई है। लेकिन इसे राहत भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि देश में बैंकिंग व्यवस्था में घोर अविश्वसनीयता बढ़ रही है। बैंक की रकम हड़पने का यह पहला मामला नहीं है, पहले भी अनेक मामले ऐसे हुए और लुटेरे हजारों करोड़ की रकम लेकर विदेशों में जा बैठे हैं। रिजर्व बैंक कार्रवाई तो करता है, लेकिन इसमें भी आम खाताधारक ही पिसता है।

उधर शेयर बाजार का भी यही हाल है। इसकी निगरानी करने वाली संस्था सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच पर इतने आरोप लगे, लेकिन सरकार लोगों का भरोसा जीतने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिख रही। उधर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। जानकारों का कहना है कि कोरोना लॉकडाउन या नोटबंदी के वक्त भी बाजार इस तरह नहीं गिरा है। साल 1996 के बाद यह पहला मौका है जब निफ्टी में लगातार पांच महीने गिरावट रहेगी। बताया जा रहा है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण शेयर बाजार में गिरावट आ रही है। पिछले साल अक्टूबर 2024 से विदेशी निवेशक अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेच चुके हैं। साथ ही रुपये के कमजोर होने से उभरते बाजारों में निवेश कम आकर्षक हो गया है।

इस कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मोदी सरकार की नीतियों और फैसलों पर विदेशी निवेशकों का भरोसा उठ चुका है। अजीब बात है कि एक तरफ बिहार, मप्र, उप्र, असम तमाम भाजपा शासित राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने वाले कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। देश के नामी–गिरामी उद्योगपति भाजपा नेताओं और मंत्रियों के साथ मंच साझा कर विकास की गंगा–जमुना बहाने के सपने लोगों को दिखा रहे हैं। सरकारों के साथ उद्योग घरानों के समझौते हो रहे हैं। दावे किए जा रहे हैं कि फलाने राज्य में इतने करोड़ की परियोजनाएं शुरु होंगी, तो इतने का मुनाफा होगा, ढिकाने राज्य में इतने लोगों को रोजगार मिलेगा, इतना विकास होगा। लेकिन जमीन पर देखें तो आम जनता के लिए आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया जैसा हाल ही बना हुआ है।

न कहीं बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है, न बड़े कल–कारखाने लग रहे हैं, न आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल व्यापक पैमाने पर उद्योगों में होता दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने संसद में जो चिंता जतलाई थी वह बिल्कुल वाजिब थी कि हम एआई की बात करते हैं, लेकिन बिना डाटा के इसका कोई अर्थ नहीं है। भारत के पास न तो उत्पादन डाटा है, न ही उपभोक्ता डाटा। हमने अपना उपभोक्ता डाटा अमेरिका की बड़ी कंपनियों को दे दिया है और उत्पादन डाटा हमारे पास नहीं है। ऐसे में हमारे विकास का कोई विजन ही नहीं है। राहुल गांधी की बात को एक बार फिर सरकार ने हल्के में उड़ाने की कोशिश की। हालांकि उन्होंने दूरदर्शितापूर्ण बात कही। अगर आज हम बदलते वक्त के साथ औद्योगिक माहौल को नहीं ढालेंगे तो दुनिया में काफी पिछड़ जाएंगे। अभी यही हो रहा है। एक तरफ चीन और दूसरी तरफ अमेरिका का दबदबा बढ़ता जा रहा है। हमारे यहां दो–चार लोग दुनिया के अमीरों में भले शामिल हों, लेकिन पूरा देश तभी विकास करेगा, जब आम जनता की जेबों में धन आएगा।

अभी तो आम जनता केवल इसी माथापच्ची में लगी रहती है कि अपनी सीमित आय को कैसे बचाए। शेयर बाजार की गिरावट उसकी उलझन और बढ़ा रही है। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के हाथ खींचने के अलावा ट्रंप की टैरिफ पर जैसे को तैसा वाली धमकी भी असर दिखा रही है। अगर नरेन्द्र मोदी हिम्मत दिखा कर ट्रंप को वहीं रोकते और बताते कि अमेरिका को भारत से कितना फायदा मिल रहा है। इतना बड़ा बाजार हमने अमेरिका को दिया है, इसका एहसान प्रधानमंत्री जताते तो शायद बाजार का भरोसा भी बढ़ता। लेकिन वहां तो श्री मोदी मुस्कुरा कर आ गए और अब भी जब ट्रंप रोजाना किसी न किसी तरह भारत को अपमानित कर रहे हैं, तो भी मोदी सरकार कोई प्रतिवाद नहीं कर रही है। ऐसे में भारतीय बाजार को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ना स्वाभाविक है। इसका फायदा चीन जैसे देशों को मिल रहा है। जहां शेयर बाजार ऊंचाई पर जा रहा है।

कम्पनियों को जंगलों में प्रवेश देने से भयभीत वन निवासी

मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा श्आरक्षित वनश है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें शबिगड़े वनश या संरक्षित वन कहा जाता है। इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। आधुनिक व्यापार – व्यवसाय ने अब तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। जंगल, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई परिभाषा के मुताबिक केवल रिकॉर्ड में दर्ज होना ही काफी है, निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं। वन बहुल मध्यप्रदेश की सरकार धीरे–धीरे जंगलों को निजी हाथों में सोंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगडे वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सौंपने की योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघु वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार,17 राज्यों ने अब तक ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए 57,700 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को अलग रखा है। मध्यप्रदेश जो देश में सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। उसने 2 फरवरी तक इस कार्यक्रम के लिए 15,200 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि की पहचान और उसका पंजीकरण किया है जो सभी राज्यों से अधिक है, ऐसा सरकार ने वर्तमान संसद सत्र में बताया है। कोरोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय ने 20 अक्टूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगडे वनों को श्पब्लिक–प्राइवेट–पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर निजी कम्पनियों को देने का आदेश जारी किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। प्रकृति को सुधारने के नाम पर मुनाफा कमाते हुए पूंजी बढ़ाने की तरकीब है – श्कार्बन व्यापार या श्कार्बन ट्रेडिंग। वर्ष 2021 में वैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजार में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है। कार्बन व्यापार के जरिए (वनीकरण करके) अन्तराष्ट्रीय बाजार से करोडों रुपए कमाना प्राथमिकता में है। भारत सरकार ने 2008 से 12 के बीच बिगडे वन, गांव का चारागाह एवं पडत–जमीन पर वनीकरण कर श्कार्बन क्रेडिटश के जरिए 1250 लाख डॉलर कमाने की योजना बनाई थी। विश्वबैंक के आंकलन के अनुसार लकडी, बांस एवं अकाष्ठीय वनोत्पाद का मूल्य 20,000 लाख डॉलर है। संयुक्त वन प्रबंधन इलाके के पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय टूरिज्म का मूल्य 17,000 लाख डॉलर आंका जा रहा है। ग्रीन इंडिया मिशन और रिड्यूसिंग एमिशन फ्रॉम डिफारेस्ट्रेशन एण्ड डिग्रेडेशनश (आरईडीडी), जिसे संक्षिप्त में रेड कहा जाता है, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अन्तराष्ट्रीय पूंजी लाने की योजना है। पर्यावरण बचाने के नाम पर विश्व बाजार तैयार करना भी अन्तरराष्ट्रीय पूंजी का हिस्सा हो गया है। अब तो श्एनजीओश भी आदिवासियों को उनके कब्जे की भूमि से बेदखल कर वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर और ताला विकास खंड में आया है, जहां एक संस्था द्वारा आदिवासियों को उनकी वनाधिकार कानून के दावे वाली वनभूमि से हटाकर वृक्षारोपण करने की शिकायत मिली है। पर्यावरण बचाने के नाम पर धन भी बहुत है, लेकिन पूंजीवादी सोच के कारण सब कुछ व्यापारिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है। इससे न तो जंगल और न ही पर्यावरण बच पा रहा है।

मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा श्आरक्षित वनश है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें शबिगड़े वनश या संरक्षित वन कहा जाता है। इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। ये संरक्षित जंगल उन स्थानीय समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन हैं जो जंगलों में बसे हैं और जिसका इस्तेमाल वे निस्तार जरुरतों के लिए करते हैं।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6520 वनखंडों में प्रस्तावित 30,06,624 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वन व्यवस्थापन की कार्रवाई 1988 से लंबित है। भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के तहत वन व्यवस्थापन अधिकारियों को धारा– 5 से 19 तक कार्रवाई कर धारा–20 में आरक्षित वन बनाने की प्रारुप अधिसूचना मय प्रतिवेदन प्रस्तुत करनी थी, जो अब तक लंबित है।

प्रश्न उठता है कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)(झ) द्वारा ग्राम सभा को जंगल के संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग के लिए जो सामुदायिक अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है,उसका क्या होगा?

भारत तो हमेशा से ही आशा का केन्द्र रहा है, मोदी जी!

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन दूसरी बड़ी मिसाल है कि कैसे उसने दुनिया के अनेक देशों को औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों को काटकर आत्म मुक्ति के लिये प्रेरित किया था भारत का स्वतंत्रता आंदोलन दूसरी बड़ी मिसाल है कि कैसे उसने दुनिया के अनेक देशों को औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों को काटकर आत्म मुक्ति के लिये प्रेरित किया था। इस संघर्ष को जिसने राह दिखाई वह महात्मा गांधी थे जिन्होंने गरीब व कमजोर नागरिकों को अहिंसा व सत्य के अमोघ अस्त्र प्रदान किये। वैसे तो किसी मिथक के बनने और उसके स्थापित होने में बरसों या सदियां लग जाती हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे गढ़ने और प्रतिस्थापित करने में क्षण भर भी नहीं लगाते और कमाल तो यह है कि वह मिनटों में स्थापित भी हो जाता है। उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में अनेक और अविश्वसनीय किस्म की अवधारणाएं गढ़ने का उनका कारनामा देश देखता आ रहा हैय और वे दुर्भाग्य से स्वीकार्य भी होती चली जा रही हैं। पिछले 70 वर्षों से देश में कुछ नहीं हुआश से लेकर श्देश पर हमेशा से ही भ्रष्टाचारियों का शासन रहा हैश, श्विपक्ष हमेशा हिन्दू–मुसलमान करता रहा हैश से लेकर श्नेहरू जी को कृषि की समझ नहीं थीश तक, श्भाजपा में कोई झूठ नहीं बोलताश से लेकर श्मेरे लिये पद का नहीं वरन सेवा का महत्व है तक ऐसी अनेकानेक धारणाएं उन्होंने प्रवर्तित कीं तथा उन्हें जनता द्वारा मान्य कराया। अपने जुमलों की तरह मोदीजी द्वारा देशवासियों के जेहन में जिस तरह से परिकल्पनाएं प्रविष्ट की गयीं, उसे उनकी खासियत और सफलता दोनों ही कहा जा सकता है।

प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा कई शासकीय व अशासकीय कार्यक्रमों में भाषण किये जाते हैं अथवा पार्टी नेता के रूप में वे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हैं या फिर निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर जो कहते हैं, उन सभी में एक समानता जरूर होती है– वह है कोई ऐसा आख्यान गढ़ना जो अब तक न सुना गया हो या न कभी देखा गया हो। उनकी बातों को लोगों तक पहुंचाने व उसे मान्यता दिलाने की उनके पास एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। इसलिये मोदी बेधड़क रोज–रोज नयी–नयी अवधारणाएं जनता के बीच स्थापित करते हैं। दूसरा तथ्य यह है कि उनकी ऑडियेंस उनके जुमलेनुमा कथनों पर भरोसा करने के लिये न सिर्फ तैयार बैठी होती है बल्कि उनका बेसब्री से इंतजार भी करती रहती है। इसलिये वह जल्दी से स्वीकार्यता प्राप्त कर लेती है। उनके कहे का खंडन नक्कारखाने में तूती सदृश्य साबित होता है। ऐसे भी लोग हैं जो जानते हैं कि मोदी जो कह रहे हैं वह यथार्थ से परे हैं लेकिन वे उन पर भरोसा करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न कारणों से प्रतिबद्ध होते हैं। उनके उवाच अंततरू उनकी छवि निखारने का उपक्रम ही होते हैं। इसलिये उनकी भारतीय जनता पार्टी, उसके नेता, कार्यकर्ता, आईटी सेल, समर्थक, प्रशंसक... सारे एक स्वर में उनके उठाये विमर्श को आगे बढ़ाते हैं। मोदी व भाजपा की यही ताकत है।

नया शोशा जो उन्होंने छोड़ा है वह यह है कि श्इतिहास में यह पहला अवसर है जब दुनिया भारत को लेकर आशावादी हुई है।श मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अपने भाषण में उन्होंने सोलर ऊर्जा, विदेशी निवेश, एयरोस्पेस कम्पनियों हेतु सप्लाई चेन आदि क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का जिक्र तो किया ही, विश्व बैंक के हवाले से बताया कि देश अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। पीएम कह रहे हैं तो सही ही होगा, लेकिन इस बड़ी या सुपरसोनिक गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का असर जनजीवन पर तो होता हुआ बिलकुल नहीं दिखाई दे रहा है और तीन चौथाई देश कोरोना के बाद से आज तक 5 किलो राशन की लाइन में लगा हुआ है। उस पर भी मोदी को वैसा ही गर्व है जैसा देश की बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने पर हैय पर मूल सवाल यह है कि क्या भारत विश्व की आशा का केन्द्र पहली बार बना हैय और क्या केवल ऐसा भौतिक विकास करने से कोई देश विश्व भर की आशा का केन्द्र बन सकता है जो कि अपरिभाषित और संदेह के घेरे में है? फिर, क्या वाकई पहली बार भारत की ओर दुनिया आशा भरी निगाहों से देख रही है? मोदी ने यह अपनी लोकप्रियता को बढ़ाने के लिये बयान दिया होगा क्योंकि उनके कथन का अनभिव्यक्त हिस्सा यही है कि ऐसा उनके कारण हो रहा है यानी भारत को इस स्थिति में लाने वाले वे ही हैं। दरअसल यह बात वही कह सकता है जिसके पास सिवा आत्ममुग्धता व अहंकार के कुछ नहीं है। साथ ही यह भी साफ है कि यह विचार तभी आयेगा जब उसने भारत को ठीक से न जाना हो। बेशक मोदी इसका श्रेय लेते रहें कि उन्हीं के कारण दुनिया भारत की ओर देखने लगी है, पर वास्तविकता यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। बल्कि कई–कई बार भारत ने लोगों का ध्यान अपनी ओर उम्मीदगी के साथ खींचा है। वह हमेशा से ही वैश्विक आशा का केन्द्र रहा है। वह भी कोई दो–चार साल, कुछ दशक नहीं वरन सदियों पहले से। ढाई हजार साल पहले का काल याद करें जब केवल भारत नहीं, दुनिया ही हिंसा और गैर बराबरी से परिपूर्ण थी। भगवान महावीर ने अहिंसा तथा बुद्ध ने सम्यक ज्ञान के उपदेश दिये और निराशा व भेदभाव के अंधकार में डूबी दुनिया को राह दिखाई थी। बुद्ध का जलाया दीपक तो पूरे एशिया को आलोकित कर रहा है। आज भी अनेक देशों का वह पथ प्रदर्शक है। भारत तब भी यदि आशा का केन्द्र न होता तो तकरीबन 2000 साल पूर्व भारत के मलाबार तट पर यहूदी न आते, न ही पारसी 1200 वर्ष पहले अपना मूल स्थान फारस (वर्तमान ईरान) छोड़कर गुजरात के संजान तट पर शरण लेतेय और न ही द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी अत्याचारों से बचकर आये लगभग एक हजार पोलैंडवासी 1942 में जामनगर में आश्रय पाते।

फोटो दिखाकर तय करते थे रेट... काल करके बुलवाते थे लड़कियांश्य नंदनी ने बिचौलियों को लेकर किए ये खुलासे

गोरखपुर। देह व्यापार मामले में पकड़ी गई नंदनी ने राज उगले हैं। अब पुलिस को छह बिचौलियों की तलाश है। पुलिस के अनुसार, बिचौलिया अनिरुद्ध और अन्य लोग जहां डिमांड पर लड़कियां पहुंचाते थे, दोनों तरफ से कमीशन लेते थे। यूपी के गोरखपुर में देह व्यापार प्रकरण में मंगलवार को देवरिया के सलेमपुर के मलहचक गांव की नंदनी पकड़ी गई।

रामगढ़ताल थाना पुलिस की पूछताछ में उसने कई अहम राज उगले हैं। इसमें छह बिचौलियों के नाम सामने आए हैं, जो लड़कियों को होटल व फ्लैट तक ले जाते थे। साथ ही अनिरुद्ध संपर्क में रहकर लोगों को लड़कियां उपलब्ध कराते थे। शहर के विभिन्न पॉश इलाके में उनकी अच्छी जान पहचान थी। बिचौलियों के खिलाफ साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस अब उनकी तलाश में लग गई है। पुलिस के अनुसार, बिचौलिया अनिरुद्ध और अन्य लोग जहां डिमांड पर लड़कियां पहुंचाते थे, दोनों तरफ से कमीशन लेते थे। अनिरुद्ध के देह व्यापार के नेटवर्क को पूरे शहर में फैलाने में बिचौलियों का बहुत बड़ा हाथ है।

बिचौलियों के मोबाइल फोन में 50 से अधिक लड़कियों के फोटो रहते थे। इनके रेट अलग–अलग थे। बिचौलिया लोगों को फोटो दिखाकर रेट तय करते थे, इसके बाद अनिरुद्ध ओझा को कॉल करके लड़कियां बुलवाते थे। कई लोगों को होटल भी मुहैया कराते थे। इसके लिए होटल संचालक से भी इनका कमीशन सेट था। वहीं नंदनी ने कुछ लड़कियों के नाम भी पुलिस को बताएं हैं। पुलिस कार्रवाई के लिए साक्ष्य जुटा रही है।

नंदनी के संपर्क में आए लोग परेशान

पुलिस के सूत्रों की मानें तो नंदनी के संपर्क में 40 से अधिक लोग आ चुके हैं। कुछ लोगों के नाम भी सामने आए हैं। जिन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे सामाजिक डर से इस मामले में बयान देने से कतरा रहे हैं। उन्हें भी अब इस केस में फंसने का डर सता रहा है। पूछताछ से बचने के लिए वे अपनी तरफ से पैरवी भी करा रहे हैं।

इस मामले में पकड़ी गई रेशमा व नंदनी

रामगढ़ताल इलाके की किशोरी के लापता होने पर उसकी मां ने दो जनवरी को थाने में केस दर्ज कराया था। दो दिन बाद किशोरी खुद ही घर वापस आई और बताया कि उसके साथ शाहपुर के जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट में दुष्कर्म की घटना हुई है।

नंदनी, रेशमा और मुस्कान का होगा एचआईवी टेस्ट

रामगढ़ताल थाना पुलिस ने नंदनी शर्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद मंगलवार को ही जेल भिजवा दिया था। जेल की महिला बैरक में नंदनी रखी गई है। इसी केस में जेल में रेशमा और मुस्कान पहले से बंद हैं। सूत्रों की मानें तो वहां पर पहले दिन रेशमा और नंदनी में बहस भी हुई।

दोनों एक दूसरे पर आरोप लगा रही थी। नंदनी मुस्कान के साथ रह रही है। मुस्कान ने ही दोनों को समझाया भी है। जेल के सूत्रों की मानें तो देह व्यापार में नाम जुड़ने की वजह से नंदनी, रेशमा और मुस्कान का एचआईवी टेस्ट भी कराया जाएगा। देह व्यापार प्रकरण की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित करने के बाद गिरफ्तार कर जेल भी भिजवाया जा रहा है। इसमें छह बिचौलियों की तलाश चल रही है। अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

मुनाफे का लालच देकर 51 लाख रुपये की जालसाजी मांगने पर जान से मारने की धमकी– केस दर्ज

गोरखपुर। कामरान अहमद खान जेल बाईपास पर डिजिटल प्रिंटिंग की दुकान खोले थे। शाहपुर पुलिस को तहरीर देकर कामरान ने बताया कि तीन साल पहले गोरखनाथ क्षेत्र के पुराना गोरखपुर निवासी दानिश आजम दुकान पर आए और प्रिंटिंग का कार्य कराए। इसके बाद भी दुकान पर आने–जाने लगे, जिससे अच्छी जान पहचान हो गई।

पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर इलाके के जंगल मातादीन निवासी कामरान अहमद खान को मनी एक्सचेंज में मुनाफा कमाने का लालच देकर जालसाजों ने 51 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित की तहरीर पर मंगलवार को शाहपुर पुलिस गोरखनाथ इलाके के पुराना गोरखपुर निवासी दानिश आलम, असलम हुसैन और कमालुद्दीन के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, कामरान अहमद खान जेल बाईपास पर डिजिटल प्रिंटिंग की दुकान खोले थे। शाहपुर पुलिस को तहरीर देकर कामरान ने बताया कि तीन साल पहले गोरखनाथ क्षेत्र के पुराना गोरखपुर निवासी दानिश आजम दुकान पर आए और प्रिंटिंग का कार्य कराए। इसके बाद भी दुकान पर आने–जाने लगे, जिससे अच्छी जान पहचान हो गई। उनके घर जाने पर उनके पिता असलम हुसैन और बहनोई कमालुद्दीन से मुलाकात हुई। दानिश के पिता असलम हुसैन ने बताया कि हम लोग मनी ट्रांसफर का डिस्ट्रीब्यूटरशिप लिए हुए हैं। जो लोग जितना रुपया डालते हैं, उसके हिसाब से मुनाफा कमाते हैं। इसी बीच दानिश ने जेल बाईपास स्थित उनकी दुकान के बगल में एक दुकान लिया। इसमें इंटीरियर के काम होता था। फिर दानिश ने मुनाफा कमाने का लालच दिखाकर उनसे 51 लाख रुपये ले लिए। इसमें से 26 लाख रुपये ऑनलाइन और शेष नकद लिए। आरोप है कि नवंबर 2023 से दानिश अचानक दुकान से लापता रहने लगा। जब उसके घर रुपये मांगने के लिए गया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। कहा रुपये भूल जाओ। आरोप लगाया कि आस–पास के लोगों ने बताया कि आरोपियों ने कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। इस संबंध में सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जिंदा महिला को सरकारी कागजों में दिखा दिया मृत, पूर्व वीडीओ व सचिव पर केस दर्ज

गोरखपुर। राजपति का आरोप है कि जिंदा रहते ही सेक्रेटरी व वीडीओ ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने के बाद राजपति देवी ने वीडीओ और सेक्रेटरी से मिलकर कागजात दुरुस्त करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने सही नहीं किए। विकास खंड ब्रम्हपुर के पूर्व वीडीओ पीयूष त्रिपाठी व सेक्रेटरी विजय गुप्ता के खिलाफ मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के आदेश पर झंगहा पुलिस ने बुधवार को केस दर्ज किया है। उनपर एक महिला को परिवार रजिस्टर में मृत घोषित करने का आरोप है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बांसगांव थाना क्षेत्र के जयंतीपुर गांव की राजपति देवी, भुअरा देवी और कलूटा देवी सगी बहने हैं। राजपति देवी ने पुलिस को बताया कि झंगहा थाना क्षेत्र के खरखूंटा गांव निवासी पिता रामधारी की मौत के बाद उनके जायदाद की मालिक तीनों बहनें हैं। पिता की मृत्यु के बाद परिवार रजिस्टर में वारिस के तौर पर केवल राजपति का नाम दर्ज किया गया।

राजपति का आरोप है कि जिंदा रहते ही सेक्रेटरी व वीडीओ ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी होने के बाद राजपति देवी ने वीडीओ और सेक्रेटरी से मिलकर कागजात दुरुस्त करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने सही नहीं किए। इसके बाद सिविल कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व वीडीओ और सेक्रेटरी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

बदल रहा है गोरखपुर: ई–चार्जिंग... गोलघर समेत 6 स्थानों पर शुरू, 3 स्टेशन और बनेंगे– शहर में बढ़ रहे हैं वाहन

गोरखपुर। इसमें से जीडीए कार्यालय की पार्किंग, लोहिया एन्क्लेव आवासीय योजना, पैडलेगंज चौराहा, पत्रकारपुरम, गोलघर मल्टी लेवल पार्किंग और सर्किट हाउस पार्किंग में चार्जिंग स्टेशन बन चुका है। जीडीए परिसर और सर्किट हाऊस परिसर में तो यह शुरू भी हो चुका है। अब पार्क रोड पर सिटी मॉल के पास, देवरिया रोड पर सेल्स टैक्स ऑफिस के पास और वसुंधरा एन्क्लेव में जगह की तलाश की जा रही है।

शहर में ई–वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम भी तेज हो गया है। गोलघर पार्किंग, पैडलेगंज और जीडीए ऑफिस समेत छह जगह ये इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। वहीं पार्क रोड, देवरिया रोड और वसुंधरा इन्क्लेव के पास इनके लिए जगह की तलाश की जा रही है। जगह मिलते ही यहां भी निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए अब शहरी क्षेत्र में ई–वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस पर छूट भी दी जा रही है। ई–वाहनों की संख्या बढ़ेगी तो इनके लिए चार्जिंग स्टेशन की भी जरूरत पड़ेगी। इसे देखते हुए जीडीए ने शहर के प्रमुख स्थानों पर ई–चार्जिंग स्टेशन बनाने का अधिकार अदाणी टोटल एनर्जीज ई–मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) को दिया है।

इसमें से जीडीए कार्यालय की पार्किंग, लोहिया एन्क्लेव आवासीय योजना, पैडलेगंज चौराहा, पत्रकारपुरम, गोलघर मल्टी लेवल पार्किंग और सर्किट हाउस पार्किंग में चार्जिंग स्टेशन बन चुका है। जीडीए परिसर और सर्किट हाऊस परिसर में तो यह शुरू भी हो चुका है। अब पार्क रोड पर सिटी मॉल के पास, देवरिया रोड पर सेल्स टैक्स ऑफिस के पास और वसुंधरा एन्क्लेव में जगह की तलाश की जा रही है।

इन तीनों क्षेत्र में पहले जो जगह जीडीए ने तय की थी, उस पर आपत्ति के चलते कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। ये चार्जिंग स्टेशन 10 साल (2033 तक) के लिए एटीईएल को दिए गए हैं। यही कंपनी ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और उसका रखरखाव करेगी। बिजली कनेक्शन भी वही लेगी।

भविष्य की जरूरत को देखते हुए ई–चार्जिंग स्टेशन बनवाए जा रहे हैं। छह जगह चार्जिंग स्टेशन बनकर तैयार हैं। तीन जगहों के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। जल्द ही उनका निर्माण भी करा दिया जाएगाः आनंद वर्द्धन, उपाध्यक्ष जीडीए

दीदिया के देवरा...गाने वाली रागिनी विश्वकर्मा की कहानी

वाराणसी में बोलीं– मंदिर में गाकर 100–200 कमाती थी, हनी सिंह ने जिंदगी बदल दी

गोरखपुर । रागिनी विश्वकर्मा का नया गाना 'दीदिया के देवरा चढ़वले बाटे नजरी' इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया है। बॉलीवुड सिंगर और रैपर यो–यो हनी सिंह के मिनियेक सॉन्ग में लोगों को भोजपुरिया तड़का काफी पसंद आ रहा है। बालीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने भले ही इस गाने पर एक्टिंग की है। लेकिन सुर्खियों में रागिनी विश्वकर्मा हैं। रागिनी कहती हैं, जब मंदिर में गाती थी तो 100–200 रुपए मिल जाते थे, अब मेरी जिंदगी बदल गई है। पता नहीं था एक गाना इस तरह से मेरी किस्मत को बदल देगा।

रागिनी को बॉलीवुड सिंगर यो–यो हनी सिंह के एल्बम मिनियेक में काम करने का मौका कैसे मिला? उनका हनी सिंह से संपर्क कैसे हुआ? रागिनी की गोरखपुर से वाराणसी पहुंचने का सफर कैसा रहा? उन्हें यहां तक कौन ले गया? इसे जानने के लिए दैनिक भास्कर एप के रिपोर्टर ने गायिका रागिनी विश्वकर्मा से बात की।

पहले जानते हैं रागिनी सिंगर कैसे बनीं ?

गोरखपुर की रहने वाली रागिनी विश्वकर्मा कहती हैं, मेरा मकान गोरखपुर में तरकुलहा माता मंदिर के पास है। परिवार में माता–पिता, 3 बहन और 3 भाई हैं। मंदिर में लोग मुंडन कराने आते थे। यहां पर मां–पिता जी हारमोनियम और ढोलक पर गाना गाते। उससे जो पैसे मिलते उससे घर खर्च चलता। जब हम 10 साल के हुए तो हमने भी हारमोनियम बजाना सीख लिया। मंदिर पर गाना शुरू कर दिया। चार साल पहले वाराणसी आए। एक माह पहले किस्मत एकदम से बुलन्द हो गई।

यह कहते–कहते रागिनी मुस्कुराने लगीं। इस मुस्कुराहट के साथ ही उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे। वह कहती हैं– मेरा पूरा परिवार ढोलक–हारमोनियम बजाकर पेट पालता था, पर दिवाकर शर्मा ने मेरी जिंदगी बदल दी। जिस कारण आज मैं इस मुकाम पर हूं।

तनी सुनला समधी साले तब जईया...गाने ने दिया ब्रेक

रागिनी विश्वकर्मा कहती हैं, मैं इस समय भोजपुरी फिल्मों, एल्बम और अपने चौनल के लिए प्लेबैक सिंगिंग कर रही हूं। दो साल पहले मैंने गुड्डी गिलहरी के साथ एक बिहारी गारी गीत गाई थी। जिसके बोल थे, श्तनी सुनला समधी साले तब जईया, तनी सुनला... । इस गाने को यूट्यूब पर 4.6 मिलियन लोगों ने देखा। कई सारी रील बनाई गईं। कई सारे बिहारी शादी ग्रुप इसे गाकर वाहवाही लूट रहे हैं। शायद दो साल पहले रिकॉर्ड हुए इस गाने ने ही मुझे हनी सिंह के एल्बम में ब्रेक दिलाया है।

हनी सिंह की टीम के विनोद वर्मा ने किया संपर्क

रागिनी ने बताया– करीब 3 महीने पहले किसी का हमारे मेंटर दिवाकर शर्मा के पास फोन आया। फोन करने वाले ने कहा, एक बड़े सिंगर की टीम के सदस्य आप से बात करना चाहते हैं। फिर हमारे सर दिवाकर जी से हनी सिंह की टीम मेंबर विनोद वर्मा ने संपर्क किया। पहले तो हमें लगा कि फेक है। कोई मजाक कर रहा है। मगर जब वो वाराणसी पहुंचे और हमसे मुलाकात की, तब हमें यकीन हुआ। यहां उन्होंने हमसे कई घंटे बात की। कैसे रिकार्डिंग होती है? मुझे कैसे गाना गाना चाहिए? बड़े लेवल पर कैसी गाने की पिच होती है? ये सब हमें बताया।

बस मुझे एक ट्यून दी गई थी, जिस पर गाना था

रागिनी कहती हैं, गाना कौन सा होगा? ये हमें नहीं बताया गया था। हमें और हमारे सर को बस एक ट्यून सुनाई गई थी। कहा गया कि इस पर ही गाना बनना है। मगर, गाने के बोल भोजपुरी में होने चाहिए। उसे भोजपुरी में ही गाना होगा। इस पर दिवाकर सर ने अर्जुन अजनबी को बुलाया। उनसे गाना लिखने को कहा। उन्होंने चार गाने लिखे थे। जिसमें से यही गाना सेलेक्ट हुआ।

सजा सुनते ही फूट फूटकर रोए दोषी...

दया की भीख मांगी, एसपी को कार से घसीटा था, बोले थे- आज तेरा आखिरी दिन

बरेली। अपर सत्र न्यायाधीश ने एसपी ट्रैफिक कल्पना पर हमला करने के दोषी तीन सिपाहियों समेत चार को 10–10 साल की कैद की सजा सुनाई है। न्यायालय ने चारों दोषियों पर एक–एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। बरेली में अपर सत्र न्यायाधीश सुरेश कुमार गुप्ता की अदालत ने वर्ष 2010 में तत्कालीन एसपी ट्रैफिक कल्पना सक्सेना पर जानलेवा हमला करने वाले तीन सिपाहियों और एक बिचौलिये को 10–10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर एक–एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी कोर्ट में ही फफककर रो पड़े। वर्तमान में आईपीएस कल्पना गाजियाबाद में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात हैं। घटना दो सितंबर 2010 को शाहजहांपुर रोड स्थित मजार के निकट कैंट थाना क्षेत्र में हुई थी। एसपी ट्रैफिक कल्पना सक्सेना ने बताया था कि ट्रैफिक कर्मियों द्वारा अवैध वसूली की सूचना पर वह घटनास्थल पर पहुंचीं तो वहां मौजूद सिपाही मनोज, रावेंद्र, रविंद्र और रविंद्र के भाई धर्मेंद्र ने कार चढ़ाकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की। उनकी गर्दन पकड़कर 200 मीटर तक पीटते हुए घसीटा था। हमराह और चालक ने उनको बचाया था। दंड की पत्रावली पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कहा कि यदि लोकसेवक अपने वरिष्ठ अधिकारी को जान से मारने की कोशिश कर रहा है तो वह जनता से कैसा व्यवहार करता होगा? पुलिसकर्मियों को ही देश के वरिष्ठ अधिकारियों व नेताओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाती है। यहां दोषियों ने व्यवस्था के विपरीत कृत्य किया है। न्यायालय ने कहा कि चारों दोषी कार को पीछे कर भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने दिनदहाड़े वरिष्ठ अधिकारी पर कार चढ़ाकर जान से मारने की कोशिश की। ऐसे दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

दोषी रविंद्र रोता हुआ बोला– मैंने आपको खाटूश्याम के रूप में देखा है

न्यायालय में कड़ी सुरक्षा के बीच चारों दोषियों को पेश किया गया। न्यायाधीश के सामने पेश होने पर चारों दोषी रो–रोकर दया की भीख मांगते रहे। इनमें से एक दोषी न्यायाधीश से बोला कि मैंने आपको खाटूश्याम के रूप में देखा है। आपकी कृपा मुझ पर जरूर रहेगी। वहीं, न्यायालय कक्ष के बाहर दोषियों के परिजन भी आरोप लगाकर रोते रहे और हाईकोर्ट जाने की बात करते रहे। सोमवार को कोर्ट पहुंचे चारों दोषी न्यायालय पहुंचकर न्यायाधीश के समक्ष दया की भीख मांगने लगे। वहीं, उन्हें रोता देख परिजन भी रोने बिलखने लगे। इसकी वजह से न्यायालय के बाहर गमगीन माहौल हो गया।

भाई से वसूली करवाता था रविंद्र, एनकाउंटर में मारा गया था पिता

दोषी सिपाहियों में शामिल रविंद्र और उसका भाई धर्मेंद्र उस दौर में अवैध वसूली के लिए बदनाम रहे। रविंद्र वर्दी की धौंस देकर ट्रक वालों को रुकवाता था। इसके बाद उसका भाई धर्मेंद्र उनसे अवैध वसूली करता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक रविंद्र काफी समय से बरेली में तैनात था और नकटिया में किराये पर रहता था। उसने अपनी जैसी मानसिकता वाले यातायात पुलिसकर्मियों का गिरोह बना रखा था। ये लोग अपनी ड्यूटी छोड़कर खास प्वॉइंट पर जाकर अवैध उगाही करते थे। वर्दी पहनकर ट्रकों से वसूली में दिक्कत होती थी।

सीएम योगी का एलान

इतने पदों पर जल्द घोषित होगी भर्ती आठ साल में हुई 1.56 लाख नियुक्तियां

लखनऊ। सीएम योगी ने पुलिस में अपना करियर बनाने की सोच रखने वाले युवाओं को खुशखबरी दी है। सीएम ने कहा कि यूपी में जल्द ही 30 हजार पदों में भर्ती की जाएंगी। विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी पुलिस भर्ती में 2017 से अब तक 1.56 लाख पदों पर भर्तियां की गई हैं। 60,200 पुलिस कार्मिकों की भर्ती हो रही है। इनका अगले एक महीने में प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा। इसी तरह 30 हजार अन्य नई भर्तियां जल्द शुरू होंगी।

सीएम ने कहा कि एक स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया गया है, जो मेट्रो और एयरपोर्ट की सुरक्षा में योगदान दे सके। इसकी छह वाहिनियों का भी गठन किया गया है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का भी सरकार ने गठन किया है। साइबर क्राइम मुख्यालय लखनऊ में एडवांस साइबर फोरेंसिक लैब, 18 परिक्षेत्र थानों पर बेसिक साइबर फोरेंसिक लैब और 57 जिलों में साइबर क्राइम थानों की स्थापना की गई है।

जीआरपी में भेजे जाएंगे 2668 पुलिसकर्मी

डीजीपी मुख्यालय ने राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) में 2668 पुलिसकर्मियों की तैनाती के लिए सभी पुलिस कमिश्नर और आईजी रेंज से नामांकन भेजने को कहा है। दरअसल, जिन पुलिसकर्मियों की जीआरपी में नियुक्ति की अवधि पूर्ण हो चुकी है, उनके स्थान पर नए पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाना है। डीजीपी मुख्यालय ने 47 वर्ष से कम आयु वाले 215 उपनिरीक्षक और 2453 मुख्य आरक्षी एवं आरक्षी उपलब्ध कराने को कहा है। यह भी ध्यान रखने को कहा गया है कि बीते पांच वर्ष की अवधि में दंड पाने वाले, दिव्यांग और महानुभावों की सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों के नाम नहीं भेजे जाएं।

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विधान परिषद में कहा कि बिजली विभाग में निजीकरण के बाद भी आरक्षण की व्यवस्था यथावत बनी रहेगी। कर्मचारियों के हित पूरी तरह से सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगीकरण में निजी बिजली कंपनी नोएडा पावर कंपनी लि. (एनपीसीएल) का विशेष योगदान है। ऊर्जा मंत्री प्रश्न प्रहर में सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा के निजीकरण के मुद्दे पर उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में निजीकरण सहित व्यापक रिफॉर्म करने पर सैद्धांतिक निर्णय लिया गया है। निर्बाध, सस्ती और गुणवत्तायुक्त बिजली देने के लिए काम किए जाएंगे। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि सरकार महंगी बिजली खरीदकर निजी कंपनियों को सस्ते में देने का काम कर रही है। बिजली मंत्री ने कहा कि विभाग में 86 हजार से ज्यादा संविदा कर्मी हैं। आशुतोष सिन्हा ने ही बलिया में अधिवक्ताओं की मांगों को सदन में रखा। भाजपा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने राज्य भंडारण निगम में अभियंताओं के खाली पदों पर सवाल उठाया।

पूरी फीस जमा करो... तब मिलेगा प्रवेश पत्र

स्कूल से एडमिट कार्ड न मिलने पर प्रतापगढ़ के छात्र ने दी जान

प्रयागराज। प्रवेशपत्र न मिलने पर प्रतापगढ़ के छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र के पिता की शिकायत पर प्रबंधक और प्रधानाचार्य पर केस दर्ज किया गया है। यूपी बोर्ड के सचिव ने डीआईओएस से मामले की जांच कराई। स्कूल की मान्यता वापस ली जाएगी। यूपी बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र न मिलने के कारण जेठवारा, प्रतापगढ़ में 12वीं के छात्र शिवम सिंह ने रविवार शाम फंदे पर लटककर जान दे दी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने मामले की जांच की, जिसमें साध्वी शिरोमणि इंटर कॉलेज धनसारी जेठवारा के प्रबंधक ऋषभ त्रिपाठी व प्रधानाचार्य कृष्णमूर्ति त्रिपाठी को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। छात्र शिवम के पिता की तहरीर पर प्रबंधक व प्रधानाचार्य के खिलाफ जेठवारा थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में यूपी बोर्ड ने स्कूल की मान्यता वापस (प्रत्याहरित) लेने का फैसला भी किया है।जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा ने अपनी जांच में स्कूल प्रबंधक व प्रधानाचार्य को प्रवेश पत्र न देने का दोषी माना है।

डीआईओएस की ओर से दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल के प्रधानाचार्य कृष्णमूर्ति त्रिपाठी व कक्षाध्यापक सुनील यादव ने यह माना है कि मृतक छात्र शिवम सिंह की 5600 रुपये फीस बकाया थी। दोनों का कहना है कि रविवार को अपराह्न 2रू30 बजे प्रवेश पत्र लेने के लिए स्कूल पहुंचे शिवम सिंह को बकाया फीस के बारे में बताया गया तो उसने कहा कि फीस लेकर आता हूं, इसके बाद प्रवेश पत्र ले जाऊंगा। दूसरी ओर, शिवम के पिता राजेंद्र सिंह ने प्रभारी निरीक्षक थाना जेठवारा को दी तहरीर में लिखा है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

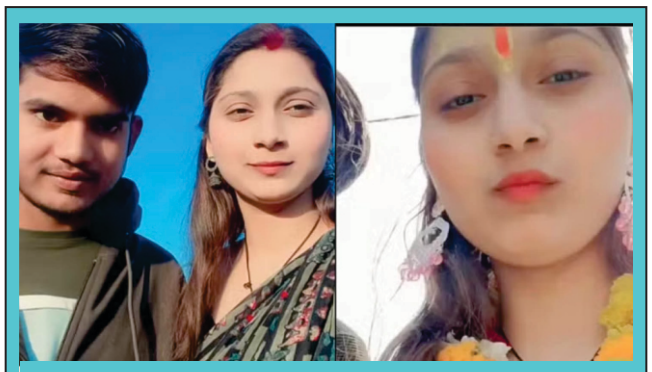

धर्म बदलकर प्रेमी से शादी 'परेशान न करो पापा, अपनी मर्जी से जहां भी हूं...खुश हूं'

बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र से प्रेमी हर्षित यादव के साथ लापता दानिया खान ने शादी कर ली है। उसने प्रेमी हर्षित के साथ शादी के फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करके इसका प्रमाण दिया है। इसके साथ ही दानिया खान ने सीएम योगी और एसएसपी बरेली को वीडियो टैग कर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

बाइक से आए चोर... ट्राली समेत ट्रैक्टर लेकर फुर्र घटना सीसीटीवी में कैद

यूपी के सीतापुर में बाइक सवार चोरों ने ट्राली समेत ट्रैक्टर पार कर दिया। घटना आनंद फिलिंग सेंटर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरों ने सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

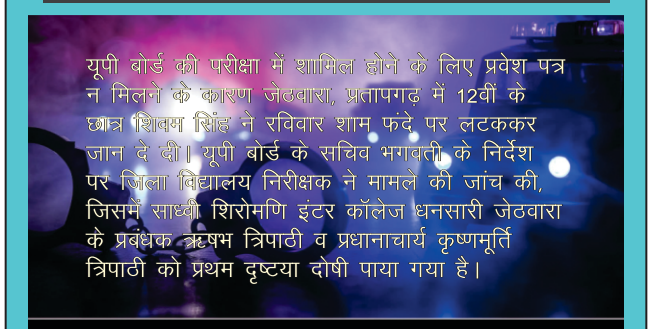

'पूरी फीस जमा करो... तब मिलेगा प्रवेश पत्र', स्कूल से एडमिट कार्ड न मिलने पर प्रतापगढ़ के छात्र ने दी जान

यूपी बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश पत्र न मिलने के कारण जेठवारा, प्रतापगढ़ में 12वीं के छात्र शिवम सिंह ने रविवार शाम फंदे पर लटककर जान दे दी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने मामले की जांच की, जिसमें साध्वी शिरोमणि इंटर कॉलेज धनसारी जेठवारा के प्रबंधक ऋषभ त्रिपाठी व प्रधानाचार्य कृष्णमूर्ति त्रिपाठी को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है।

डुबकी लगाई, श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा, तस्वीरों में कैटरीना का महाकुंभ दौरा

महाकुंभ-100 से ज्यादा सड़क हादसों में

सबसे ज्यादा मौतें कानपुर प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर 150 मौत

महाकुंभ पहुंचने के रास्ते में 5 बड़े एक्सीडेंट

- **21 फरवरी :** वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर कर्नाटक के श्रद्धालुओं की जीप सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में जीप सवार दंपती सहित 6 की मौत हो गई।
- **15 फरवरी :** प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं की बोलेरो और मध्यप्रदेश के राजगढ़ से आ रही बस की टक्कर में बोलेरो सवार 10 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 19 लोग घायल हुए।
- **3 फरवरी :** सोनभद्र-वाराणसी स्टेट हाईवे पर हाथीताल के पास क्रेटा और ट्रेलर की टक्कर में कार सवार छत्तीसगढ़ के हेड कॉन्स्टेबल, उनकी मां और बेटे समेत 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2 घायल हो गए।
- **27 जनवरी :** लखनऊ-आगरा हाईवे पर के फतेहाबाद में तेज रफ्तार कार डिवाइडर को पार कर दूसरे लेन पर ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार दिल्ली के दंपती और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। महाकुंभ से लौट रहे थे।
- **30 जनवरी :** वाराणसी-गोरखपुर हाईवे पर महाकुंभ से लौट रहे गाजीपुर जिले के नंदगंज में पिकअप को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में गोरखपुर के 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 घायल हो गए।

वाराणसी, कानपुर रोड पर एक्सीडेंट में सबसे अधिक मौतें

प्रयागराज से वाराणसी मार्ग	15 मौत
प्रयागराज से कानपुर मार्ग	14 मौत
प्रयागराज से मिर्जापुर मार्ग	14 मौत
प्रयागराज से जौनपुर मार्ग	11 मौत
प्रयागराज से रीवा मार्ग	12 मौत
प्रयागराज से अयोध्या मार्ग	9 मौत

लखनऊ। महाकुंभ में 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पहुंच कर रिकॉर्ड बना डाला। लेकिन इसमें कई ऐसे लोग रहे, जो घर नहीं लौट पाए। महाकुंभ के 43 दिन में 100 से ज्यादा रोड एक्सीडेंट में 150 लोगों की मौत हो गई। हादसों में 385 लोग घायल हुए हैं।

इनमें से कई लोगों को अब अपंग जैसी जिंदगी जीनी पड़ेगी। सबसे ज्यादा एक्सीडेंट राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर हुए। दिल्ली से वाया आगरा-कानपुर-प्रयागराज-वाराणसी होते हुए कोलकाता को जोड़ने वाले इस नेशनल हाईवे पर 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

सबसे बड़ा एक्सीडेंट

प्रयागराज-मिर्जापुर रोड पर हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 19 लोग घायल हो गए।

एक्सीडेंट की बड़ी वजह क्या रही?

आखिर एनएच-2 पर सबसे ज्यादा हादसे क्यों हो रहे हैं? प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ था, जो महाशिवरात्रि (कल) तक चलेगा।

अभी इस आयोजन के समापन में दो दिन बाकी हैं। 43 दिनों में ही 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार हो गया।

यानी औसतन रोज करीब डेढ़ करोड़ लोग त्रिवेणी में स्नान करने पहुंचे। इसमें ज्यादातर लोग सड़क मार्ग से पहुंच रहे हैं।

दिल्ली से जयपुर का सफर सिर्फ 30 मिनट में!

देश का पहला हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक तैयार

1100 किमी की रफ्तार से चलेगी हाइपरलूप ट्रेन बुलेट ट्रेन की टॉप स्पीड 450 किमी होती है देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम में दिखेगा बदलाव

भारत के ट्रांसपोर्ट सिस्टम में एक बड़ी क्रांति आने वाली है। देश की पहली हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक बनकर तैयार है। लोग आने वाले समय में हाइपरलूप ट्रेन की सुविधा ले सकेंगे अगर ट्रायल रन सफल रहा तो। इसके साथ ही यह ट्रेन 1100 किमी की टश्प स्पीड से चलेगी जो बुलेट ट्रेन की स्पीड से काफी ज्यादा है। इस ट्रैक को IIT मद्रास ने तैयार किया है।

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में एक बड़ी क्रांति आने वाली है। देश की पहली हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक पर पूरी तरह से तैयार है और इसका वीडियो खुद रेल मंत्रालय में जारी कर ये साफ किया कि भारत हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट सिस्टम की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा चुका है। यह ट्रैक 422 मीटर लंबा है और इसे मद्रास ने तैयार किया है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे ने आईआईटी मद्रास को आर्थिक मदद प्रदान की है।

क्या है हाइपरलूप

हाइपरलूप एक ऐसी तकनीक है, जिसमें ट्रेन को एक खास ट्यूब में टॉप स्पीड पर चलाया जाता है। इस तकनीक की मदद से लोगों को बहुत तेज और सुरक्षित यात्रा का अनुभव होगा। ट्रायल सफल रहने के बाद यह तकनीक भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह से बदल सकती है।

बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा है रफ्तार

हाइपरलूप ट्रेनें 1100 किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगी। बुलेट ट्रेन की टॉप स्पीड के बारे में बात करें तो उसकी स्पीड 450 किलोमीटर होती है। हाइपरलूप के जरिए दिल्ली के यात्री सिर्फ 30 मिनट में ही जयपुर तक का सफर तय कर सकेंगे। अब उम्मीद लगाई जा रही है कि जल्द ही इस हाइपरलूप ट्रैक पर ट्रायल रन शुरू होंगे। ट्रायल सफल रहने पर भारत में इस अत्याधुनिक तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बड़ा बदलाव

भारत में हाइपरलूप ट्रेन अगर शुरू होती है तो आने वाले समय में रेलवे और सड़क यात्रा का ढांचा बदल जाएगा। भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो हाइपरलूप तकनीक को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मोदी ने किया एडवांटेज असम 2.0 का आगाज कहा- नार्थ ईस्ट की भूमि से नए भविष्य की शुरुआत

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। बता दें कि, एडवांटेज असम 2.0 में पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, बांस और टिकाऊ फसल और खाद्य एवं पेय पदार्थ सहित कई अन्य कई विषयों पर खास नजर रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया है। इस कार्यक्रम में कई केंद्रीय मंत्री, वैश्विक उद्योग जगत के दिग्गज, भारत में विदेशी मिशनों के प्रमुख समेत कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। बता दें कि, ये दो दिवसीय शिखर सम्मेलन गुवाहाटी के खानापारा में मौजूद वेटरनरी कॉलेज फील्ड में आयोजित किया जा रहा है।

एक नए भविष्य की शुरुआत- पीएम मोदी

वहीं इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पूर्वी भारत और नॉर्थ ईस्ट की भूमि आज एक नए भविष्य की शुरुआत करने जी रही है।

एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम के संभावना और प्रगति से जोड़ने का एक महा अभियान है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा- इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में ईस्टर्न इंडिया का बहुत बड़ा रोल हुआ करता था। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है, तो एक बार फिर हमारा ये नॉर्थईस्ट अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है...मैं असम सरकार को, हिमंत बिस्वा सरमा जी की पूरी टीम को इस भव्य आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई।

पिता नीतीश कुमार के साथ निशांत कुमार

49 साल के बैचलर

अध्यात्म का धुनी... क्या राजनीति में आ रहे हैं नीतीश कुमार के इकलौते सुपुत्र निशांत कुमार

संगम में स्टीमर पर सोनाली बेंद्रे ने पति गोल्डी बहल के साथ सेल्फी ली।

दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त चल क्या रहा है? 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद से कब–कब सत्तासीन महायुति में तनाव की खबरें सामने आई हैं? इस तनाव की वजह क्या रही थीं? एकनाथ शिंदे के हालिया बयान की क्या वजह और क्या मायने हैं? इसके अलावा इस बयान के अगले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राकांपा–एसपी के नेता शरद पवार के साथ मंच साझा करना और उनके लिए जबरदस्त आदर दिखाना महाराष्ट्र की राजनीति में क्या संकेत देता है? महाराष्ट्र में पिछले साल के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में महायुति को जबरदस्त बहुमत मिला। यह बहुमत कितना मजबूत था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से 235 पर महायुति की तीन पार्टियां काबिज हो गईं। यानी करीब 81 फीसदी सीटें भाजपा के नेतृत्व वाले इस गठबंधन के खाते में गई थीं। ऐसे में चुनाव नतीजों के बाद माना जा रहा था कि महायुति की सरकार में आपसी तनाव की स्थिति कम देखने को मिलेगी और विपक्ष की जबरदस्त कमजोरी की वजह से उसे पूरे पांच साल तक शासन करने में आसानी होगी। हालांकि, नतीजों के ठीक बाद पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और भाजपा के बीच खटपट की खबरों और अब अलग–अलग मुद्दों को लेकर सियासी बयानबाजी ने महायुति में दरार की अटकलों को हवा दी है। खासकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से दिया गया हालिया बयान, जिसमें उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि मुझे हल्के में न लें। 2022 में जब मुझे हल्के में लिया गया तब मैंने सरकार बदल दी। ऐसे में यह जानना अहम है कि महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त चल क्या रहा है? 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद से कब–कब सत्तासीन महायुति में तनाव की खबरें सामने आई हैं? इस तनाव की वजह क्या रही थीं? एकनाथ शिंदे के हालिया बयान की क्या वजह और क्या मायने हैं? इसके अलावा इस बयान के अगले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राकांपा–एसपी के नेता शरद पवार के साथ मंच साझा करना और उनके लिए जबरदस्त आदर दिखाना महाराष्ट्र की राजनीति में क्या संकेत देता है?

1. मुख्यमंत्री–मंत्री पदों को लेकर खींचतान

महाराष्ट्र में चुनाव के बाद महायुति में सबसे बड़ा मुद्दा मुख्यमंत्री पद को लेकर रहा। राजनीतिक विश्लेषक समीर चौगांवकर के मुताबिक, महाराष्ट्र विधानसभा के जब चुनाव हुआ तो महायुति ने किसी को भी मुख्यमंत्री घोषित नहीं किया था। ऐसे में एकनाथ शिंदे को लग रहा था कि महायुति चुनाव जीतने के बाद उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाएगी।

हालांकि, जिस तरह चुनाव में भाजपा की 132 सीटें आ गईं और अजित पवार की पार्टी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर दिया। इन स्थितियों के बीच भाजपा और शिवसेना में कुछ तनाव देखने को मिला। एकनाथ शिंदे इस दौरान अपने गांव चले गए थे। खुलकर तो दोनों ही पार्टियों ने सीएम पद को लेकर एक–दूसरे के खिलाफ बयान नहीं दिए, लेकिन उनका डिप्टी सीएम बनने के लिए साफ संकेत न देने और लंबे समय तक शपथग्रहण के लिए मुंबई न लौटने से यह साफ था कि महायुति में सब ठीक नहीं है।

दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप...

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़े मामले में दायर की गई एक याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, वो दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला विदेशी मामलों से जुड़ा है और भारत की न्यायपालिका किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती। मामले में सीजेआई संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली और मामला खत्म कर दिया गया। यह याचिका लुधियाना के व्यवसायी और समाजसेवी राजेश धांडा ने दायर की थी, जो भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव समिति, लुधियाना के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष भी हैं। इस याचिका में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा को रोकने और भारत में शरण लेने वाले हिंदुओं को नागरिकता के लिए आवेदन करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की गई थी।

सरकार को क्या निर्देश देने की मांग की गई थी?

इस याचिका में केंद्र सरकार से यह मांग की गई थी कि – बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत तुरंत कूटनीतिक या अन्य कदम उठाए जाएं। वहीं विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय (एमएचए) को निर्देश दिया जाए कि वे बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग को पीड़ित हिंदू अल्पसंख्यकों को सहायता देने के लिए कहें। इसके साथ ही केंद्र सरकार संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) जैसे मंचों का उपयोग कर बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों का मुद्दा उठाए।

याचिका में क्या दलील दी गई थी?

बता दें कि, याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, सिखों, जैनियों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति बेहद खराब है। हाल ही में बांग्लादेश में लोकतांत्रिक सरकार के पतन के बाद धार्मिक कट्टरपंथियों ने अल्पसंख्यकों पर हमले तेज कर दिए हैं। वहां हत्या, अपहरण, संपत्तियों की जब्ती और अन्य आपराधिक की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत सरकार को इस मामले में राजनीतिक दबाव बनाना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत जरूरी कदम उठाने चाहिए।

नागरिकता कानून सीएए में बदलाव की मांग

इस याचिका में कहा गया कि नागरिकता (संशोधन) कानून, 2019 (सीएए) के तहत शरणार्थियों के लिए 31 दिसंबर 2014 की कट–ऑफ तारीख तय की गई है। लेकिन बांग्लादेश में हाल ही में हिंदुओं पर हुए हमलों को देखते हुए यह तारीख बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि नए पीड़ितों को भी भारत की नागरिकता मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला भारत के विदेश नीति से जुड़ा है और न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। कोर्ट ने आगे कहा कि भारत किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे सकता।

संगम स्नान को ब्राजील से महाकुंभ पहुंचे थे शिवभक्त

संवाददाता, महाकुंभ नगर। महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए देश–विदेश से श्रद्धालु जुटे थे। इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र ब्राजील से आए भगवान शिव के भक्तों का एक बड़ा जत्था था। जिसने महाकुंभ में अपनी अनूठी भक्ति से श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया था। दो दर्जन से अधिक ब्राजीली युवाओं का यह समूह विशेष रूप से महाशिवरात्रि स्नान के लिए यहां आया है। यह भक्त रियो डी जनेरियो और साओ पाउलो शहरों से जुड़े हैं, जहां भगवान शिव के कई मंदिर स्थित हैं।ग्रुप के समन्वयक हेनरिक मोर ने बताया कि ये सभी युवा वर्षों से शिवभक्ति में लीन हैं और इस बार महाकुंभ में त्रिवेणी स्नान का संकल्प लेकर आए हैं। महाकुंभ की इस आध्यात्मिक यात्रा में विदेशी श्रद्धालुओं की सहभागिता भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रभाव को दर्शाती है, जिससे सनातन धर्म की व्यापकता और गहराई का पता चलता है। ब्राजील के इन श्रद्धालुओं की भक्ति और समर्पण देखते ही बनती है। इनके शरीर पर भगवान शिव से जुड़े विभिन्न प्रतीकों के टैटू गुदे हुए हैं, जिनमें त्रिशूल, डमरू और महाकाल की आकृतियां प्रमुख हैं। पुरुषों के कानों में त्रिशूल के आकार की कुंडलियां और महिलाओं के हाथों में ओम व रुद्राक्ष की माला इनकी भक्ति को और विशेष बना रही हैं।

शरीर पर गुदवाया है धार्मिक टैटू

ग्रुप की सदस्य इसाबेला ने बताया कि ब्राजील में कयापो समुदाय के लोग शरीर पर धार्मिक प्रतीक का टैटू गुदवाने की परंपरा को मानते हैं, जिससे प्रेरित होकर उन्होंने शिवभक्ति का यह अनूठा स्वरूप अपनाया है। दल के सदस्य बताते हैं कि वह हर वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और गंगा स्नान के लिए आते थे, लेकिन इस बार प्रयागराज में महाकुंभ के दिव्य आयोजन की ख्याति सुनकर यहां पहुंचे हैं।

जीवन में नई ऊर्जा का संचार

उनका कहना है कि इस अलौकिक अनुभव ने उनके जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया है। हेनरिक मोर कहते हैं कि यह महाकुंभ न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि जीवन को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने का एक अनमोल अवसर भी है।

संगम स्नान से मन को मिल रही शांति

ब्राजीली श्रद्धालु अब महाशिवरात्रि के पावन स्नान के लिए व्यग्रता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनका मानना है कि संगम में स्नान करने से उन्हें आत्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होगी।

सालों से शिवभक्ति में लीन हैं ब्राजील के ये युवा

महाकुंभ में इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र ब्राजील से आए भगवान शिव के भक्तों का एक बड़ा जत्था है। जिसने महाकुंभ में अपनी अनूठी भक्ति से श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया है। 12 से अधिक ब्राजीली युवाओं का समूह विशेष रूप से महाशिवरात्रि स्नान के लिए यहां आया है। यह भक्त रियो डी जनेरियो और साओ पाउलो शहरों से जुड़े हैं जहां भगवान शिव के कई मंदिर स्थित हैं।

श्रुति हासन ने शेयर किया इमोशनल वीडियो

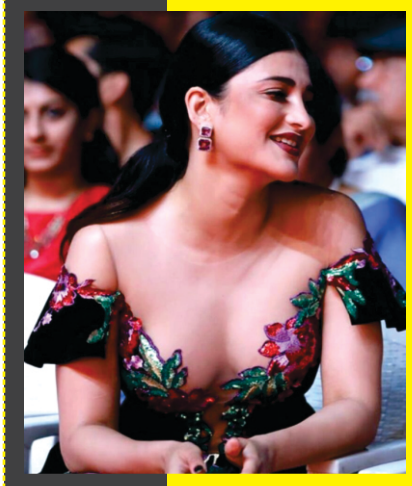

मुम्बई। श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है. इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया. पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, श्जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है. मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं. उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर परफॉर्म करने का कॉन्फिडेंस दिया. एक्ट्रेस ने लिखा– श्मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है. हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए.श इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है।

हाल ही में पिता कमल हासन को लेकर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में एक्ट्रेस म्युजिक के प्रति प्यार और कमल के सपोर्ट के बारे में बात कर रही हैं।

68 की उम्र में 38 की लगीं टीना अंबानी, आरेंज साड़ी और भारी चोकर हार में लगी इतनी कयामत, बड़ी–बड़ी हुस्न परियां भी हो गईं फेल

45 करोड़ में बनी फिल्म ने कमाए मात्र 37,670 रूपये, जानें फिल्म का नाम..

एक्ट्रेस जब क्रिकेट मैच एन्जॉय कर रही थीं, तभी स्टेडियम की एक स्टाफ मेंबर ने उन्हें खास सरप्राइज दिया. स्टाफ मेंबर उर्वशी के लिए बर्थडे केक लेकर आई.

उर्वशी 25 फरवरी को अपना बर्थडे मनाती हैं, लेकिन इस बार एक्ट्रेस ने 2 दिन पहले ही 23 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान अपना बर्थडे एडवांस में सेलिब्रेट किया.

रणबीर कपूर ने रश्मिका मंदाना को दिया था सरप्राइज

मुम्बई। फिल्म एनिमल के सेट पर रणबीर कपूर ने को–स्टार रश्मिका मंदाना को सरप्राइज दिया था। इस वजह से रश्मिका रोने लगी थीं। उन्होंने कहा था– जब मैं फिल्म एनिमल के लिए शूटिंग कर रही थी, जब मेरा नाश्ता बहुत बोरिंग था। आए दिन मैं इसकी शिकायत भी करती थी। रणबीर को यह बात मालूम चल गई थी। एक दिन उन्होंने अपने कुक से मेरे लिए नाश्ता बनवाया। जब उन्होंने मुझे नाश्ता कराया तो मैं रोने लगी। मुझे लगा कि एक ही खाना इतना अच्छा कैसे हो सकता है। वह बहुत अच्छा खाना था। यह बातें रश्मिका ने ऊँींइसम पदकपं के इंटरव्यू में कही थीं।

रश्मिका ने रणबीर से कहा था– हम आम आदमी हैं

रश्मिका ने कहा, ‘रणबीर ने मुझसे कहा था कि तुम इतना बोरिंग नाश्ता क्यों खाती हो। तो मैंने कहा कि आपके पास अच्छे कुक हैं। हमारे पास नहीं हैं। हम आम आदमी हैं। हम हैदराबाद से कोई कुक नहीं बुला सकते हैं।’

बश्वक्स अश्वफिस पर हिट थी फिल्म एनिमल

फिल्म एनिमल में रश्मिका को रणबीर की पत्नी के रोल में देखा गया था। फिल्म में अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, बॉबी देओल, सौरभ सचदेवा, प्रेम चोपड़ा और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी दिखे थे। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 900 करोड़ की कमाई की थी।

आलिया और विक्की के साथ दिखेंगे रणबीर

रश्मिका मंदाना को हाल ही में फिल्म छावा में विक्की कौशल के साथ देखा गया है। वहीं दूसरी तरफ रणबीर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट के साथ संजय लीला भंसाली के साथ अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर की तैयारियों में बिजी हैं।

> **‘एनिमल के सेट पर स्पेशल नाश्ता लाए थे, रोने लगी थीं एक्ट्रेस’**

मैं तुम्हें बहुत मिस करती हूं...

चहल से तलाक के बाद इमोशनल हुईं धनश्री! फैंस बांध रहे हिम्मत

धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से अपने तलाक को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. दोनों ही अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं. वे पिछले डेढ़ साल से अलग रह रहे थे. अब तलाक की खबरों के बीच धनश्री का एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जो काफी इमोशनल है।

श्रेयस बोले–पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी जीत अच्छी होती है

कहा– मुझे कभी नहीं लगा विराट रनों के लिए जूझ रहे, उनमें रन की भूख

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के मीडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत को अच्छी बताया। भारत ने पाकिस्तान को रविवार को चौंपियंस ट्रॉफी के पांचवें मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। दुबई में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम 49.4 ओवर में 241 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत ने 42.3 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

मैच के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में अय्यर ने कहा, 'मैंने पाकिस्तान में अभी तक एक भी मैच नहीं खेला तो मुझे नहीं पता कि वहां कैसा लगता है। लेकिन यह न्यूट्रल वेन्यू है और दोनों टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण था। पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी जीत अच्छी होती है क्योंकि मैच हमेशा प्रतिस्पर्धी होते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह बड़ी चुनौती है क्योंकि काफी दबाव भी होता है। मेरी पाकिस्तान के खिलाफ तीसरा मैच था, बहुत ही मजा आया।

विराट में रनों की भूख

कोहली ने इस मैच में नाबाद 100 रन बनाए। विराट ने वनडे में 51वीं और इंटरनेशनल क्रिकेट में 82वीं सेंचुरी लगाई। अय्यर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, मुझे कभी नहीं लगा कि विराट रनों के लिए जूझ रहे हैं।वह हमेशा रनों के लिए भूखे रहते हैं। मुझे याद है कि इस मैच से पहले प्रैक्टिस के लिए वह हमसे एक घंटा पहले आ गए थे। इसमें वह हमेशा की तरह जबर्दस्त फॉर्म में लग रहे थे।

ऐज फ्राड केस में लक्ष्य सेन की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने जांच के आदेश दिए, शटलर पर 2 साल 6 महीने उम्र घटाने के आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन के ऐज फ्रॉड मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। दरअसल 2022 में लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार पर जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट्स में जन्म प्रमाण पत्र के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया था।

लक्ष्य की याचिका का रिव्यू करने के बाद कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा, मामले में ऐसे सबूत मौजूद हैं जो जांच की आवश्यकता को दर्शाते हैं। आरोपियों ने लक्ष्य और चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र में करीब दो साल छह महीने की उम्र घटा दी जिससे वे अंडर ऐज टूर्नामेंट में भाग ले सकें और सरकारी लाभ प्राप्त कर पाए।

अक्षर पटेल बने पाक के खिलाफ बेस्ट फील्डर

टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में शिखर धवन ने पहनाया मेडल

स्पोर्ट्स डेस्क। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए टीम इंडिया ने अक्षर पटेल को बेस्ट फील्डर का मेडल दिया। टीम के ड्रेसिंग रूम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने उन्हें मेडल पहनाया। अक्षर ने पाकिस्तान के खिलाफ 1 कैच पकड़ा और 2 रन आउट किए। भारत ने रविवार को चौंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। दुबई में पाकिस्तान ने 241 रन बनाए। भारत ने विराट कोहली की सेंचुरी की मदद से टारगेट हासिल कर लिया।

फील्डिंग कोच बोले– थ्रो बहुत शानदार रहे

ठब्ब ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फील्डर ऑफ द मैच सेरेमनी की एक वीडियो पोस्ट की। इसमें टीम इंडिया के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा, श्फील्डिंग बेहतरीन रही, सभी ने बैकअप लिए और ओवरथ्रो नहीं जाने दिया। विकेटकीपर राहुल ने बताया कि थ्रो की एक्यूरेसी शानदार थी, जिससे 5 डायरेक्ट हिट लगे।

मैच में अहम टाइम पर 2 रनआउट आए। सपोर्ट स्टाफ का थैंक्यू, जिन्होंने टीम की फील्डिंग स्ट्रेंथ बढ़ाई। जडेजा, अक्षर और श्रेयस ने पाकिस्तानी बैटर्स को आसानी से रन नहीं लेने दिए।

धवन ने अक्षर को मेडल पहनाया

टीम इंडिया के पूर्व बैटर शिखर धवन ड्रेसिंग रूम में मेडल देने पहुंचे। उन्होंने कहा, टीम को शाबासी, विराट ने अच्छी बैटिंग की। शुभमन, श्रेयस ने उनका बखूबी साथ दिया। अक्षर को फील्ड पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैं यह मेडल पहनाता हूं।

किसने चढ़ाया हरभजन सिंह का पारा

कमेंट्री की बात पर भज्जी ने दर्ज कराई शिकायत

स्पोर्ट्स डेस्क। एक्स यूजर ने भज्जी का पारा इतना बढ़ा दिया कि उन्हें उसके खिलाफ एफआईआर करवाने का फैसला लेना पड़ गया। दोनों के बीच हुई इस बहस का मुद्दा हिंदी कमेंट्री थी, जिसकी यूजर ने आलोचना की। पूर्व क्रिकेटर को यह बात नागवार गुजरी और उन्होंने खरी–खोटी सुनाई। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह इन दिनों दुबई में हैं और चौंपियंस ट्रॉफी का आनंद ले रहे हैं। इस बीच एक एक्स यूजर ने भज्जी का पारा इतना बढ़ा दिया कि उन्हें उसके खिलाफ एफआईआर करवाने का फैसला लेना पड़ गया। दोनों के बीच हुई इस बहस का मुद्दा हिंदी कमेंट्री थी, जिसकी यूजर ने आलोचना की। पूर्व क्रिकेटर को यह बात नागवार गुजरी और उन्होंने खरी–खोटी सुनाई।

क्या है मामला?

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को चौंपियंस ट्रॉफी का महामुकाबला खेला गया था। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया था। इसके बाद हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा– इंडिया की जीत का जश्न। इस पर रिप्लाई करते हुए एक यूजर ने हिंदी कमेंट्री के खिलाफ पोस्ट किया। यूजर ने लिखा– हिंदी कमेंट्री इस खूबसूरत नीले ग्रह पर सबसे घटिया चीजों में से एक हो सकती है। यूजर के इस रिप्लाई से भज्जी भड़क गए और उन्होंने इसका रिप्लाई करते हुए लिखा– वाह अंग्रेज की औलाद, तुम पर शर्म है। अपनी भाषा बोलने और सुनने पर फर्क होना चाहिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर के इस पोस्ट के बाद मुद्दे ने तूल पकड़ लिया और मामला बढ़ गया।

हिंदुओं को गलत बताने वाले यूजर पर फूटा भज्जी का गुस्सा

इसके बाद हरभजन ने यूजर की उस पोस्ट पर निशाना साधा जिसमें उसने अयोध्या के हिंदुओं के खिलाफ गलत बयान दिया था। भज्जी ने लिखा– तू किस तरफ का है? जो हमारे अयोध्या के हिन्दू भाईयों को गलत बोल रहा है। मुझे तेरी दिमागी हालत सेदा तेरे देशद्रोही होने पर शक है।

खिलाड़ियों की सुरक्षा में बड़ी चूक

मैदान में घुसकर फैन ने रचिन रवींद्र को गले लगाया

स्पोर्ट्स डेस्क। इस घटना में शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और अदालत में पेश किया गया। इसके अलावा उसे पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में रावलपिंडी स्टेडियम में न्यूजीलैंड–बांग्लादेश मैच के दौरान एक दर्शक के मैदान में घुसने से सुरक्षा घेरे को तोड़े जाने पर संज्ञान लिया है। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मेजबानों की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ बातचीत की

बयान में कहा गया है, एक जिम्मेदार संस्था के रूप में हमने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ बातचीत की है जिन्होंने सभी स्थानों पर खेल के मैदान के आसपास सुरक्षा कर्मियों को बढ़ाने और प्रवेश नियंत्रण उपायों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इस घटना में शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और मंगलवार को अदालत में पेश किया गया। इसके अलावा उसे पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

पाकिस्तान क्रिकेट का सत्यानाश हो जाएगा...

स्पोर्ट्स डेस्क। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में अपने देश की क्रिकेट टीम के प्रदर्शन से निराश हैं। कराची में न्यूजीलैंड और दुबई में भारत से बड़ी हार के बाद मेजबान पाकिस्तान आठ टीमों की चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। अलीमा ने इमरान से मुलाकात के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बातचीत की। अलीमा ने कहा कि 1992 में विश्व कप खिताब जीतने वाली पाकिस्तान की अगुआई करने वाले इमरान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की क्रिकेट संबंधी साख पर भी सवाल उठाए।

अलीमा ने इमरान के हवाले से कही यह बात

अलीमा ने कहा, श्पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ) के संस्थापक ने भारत के खिलाफ मैच हारने पर बहुत दुख व्यक्त किया है।श अलीमा ने नकवी के लिए पीटीआई संस्थापक के बयान के बारे में बताया, श्इमरान ने कहा कि जब अपने पसंदीदा लोगों को निर्णय लेने का अधिकार दिया जाएगा तो क्रिकेट अंततः नष्ट हो जाएगा।श अलीमा ने बताया कि क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान ने भारत और पाकिस्तान के बीच मैच भी देखा था।

पाकिस्तान की टीम पहले राउंड से बाहर

न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर जीत के साथ ही ग्रुप ए से गत चौंपियन पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों का सफर टूर्नामेंट में ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया है। इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मार्च को दुबई में मुकाबला खेला जाएगा। जो भी टीम ये मैच जीतेगी वो ग्रुप ए से शीर्ष पर रहकर अंतिम चार में प्रवेश करेगी। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का गत चौंपियन होने के साथ ही मेजबान भी था, लेकिन उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा जिस कारण टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया।

अंतरिम कोच आकिब जावेद पर गिरेगी गाज

टीम के इस प्रदर्शन के बाद अंतरिम कोच आकिब जावेद के नेतृत्व वाले सहायक स्टाफ पर गाज गिरना तय माना जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड टूर्नामेंट के बाद कुछ कड़े फैसले ले सकता है। इस सूत्र ने बताया कि चौंपियंस ट्रॉफी के बाद आकिब को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। सूत्र ने कहा, जाहिर है कि चौंपियंस ट्रॉफी में टीम के प्रदर्शन से निराशा है। बोर्ड ने अब तक यह तय नहीं किया है कि टीम में सीमित ओवर और लाल गेंद के लिए अलग कोच होंगे या नहीं। लेकिन चौंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद मौजूदा सहायक स्टाफ का हटना तय है। जिस तरह बोर्ड ने पिछले साल से कोच और चयनकर्ता बदले हैं, इन पदों के लिए अन्य उम्मीदवार मिलना चुनौतीपूर्ण है।

कस्टर्न–गिलेस्पी ने छोड़ा था पद

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले साल गैरी कस्टर्न के पद छोड़ने के बाद आकिब को सीमित ओवर टीम का अंतरिम कोच बनाया था। इसके बाद आकिब को दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए लाल गेंद की टीम की भी जिम्मेदारी दी गई क्योंकि टेस्ट कोच जेसन गिलिस्पी ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

पाकिस्तान को 16 मार्च से पांच अप्रैल के बीच पांच टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करना है, इसलिए बोर्ड को स्थायी कोच की नियुक्ति जल्द करनी होगी।